IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 3, January 2025
Impact Factor: 7.67

प्राथमिक विद्यालय के छात्रों में नैतिक चरित्र निर्माण में भावनात्मक बुद्धि की भूमिका

उदय कुमार[1] and डॉ. संगीता[2]

[1]शोधार्थी, विभाग शिक्षा शास्त्र

[2]सहायक प्रोफेसर, विभाग शिक्षा शास्त्र

सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान

सारांश

प्राथमिक शिक्षा बालक के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास की नींव होती है। इस स्तर पर विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों एवं सद्गुणों का विकास अत्यंत आवश्यक होता है। नैतिक चरित्र निर्माण न केवल सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देता है, बल्कि व्यक्तिगत निर्णय क्षमता एवं उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ करता है। इस संदर्भ में, भावनात्मक बुद्धि (Emotional Intelligence) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह बच्चों को अपनी भावनाओं को पहचानने, समझने, नियंत्रित करने एवं दूसरों की भावनाओं के प्रति सहानुभूति विकसित करने में सहायता करती है। यह अध्ययन प्राथमिक विद्यालय के छात्रों में भावनात्मक बुद्धि के विभिन्न आयामों आत्म-ज्ञान, आत्म-नियंत्रण, प्रेरणा, सहानुभूति एवं सामाजिक कौशल के माध्यम से नैतिक गुणों जैसे ईमानदारी, दया, सहयोग और उत्तरदायित्व के विकास की पड़ताल करता है। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला गया कि जिन छात्रों में भावनात्मक बुद्धि का स्तर उच्च था, उनमें नैतिक चरित्र निर्माण की प्रवृत्तियाँ भी अधिक सशक्त पाई गईं। अतः यह आवश्यक है कि विद्यालयों में पाठ्यचर्या एवं सह-पाठ्य गतिविधियों के माध्यम से भावनात्मक बुद्धि को विकसित करने पर विशेष बल दिया जाए।

मुख्य संकेतक: - भावनात्मक बुद्धि, नैतिक चरित्र निर्माण, प्राथमिक शिक्षा, नैतिक मूल्य।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/568